MSS No. 442 Subject Yoga

Name of MSS Yog Leela

Author

Period Folios 32

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri Alwar, Rajasthan

Missing Folios 6

(१५) (16)

442

जोगलीला
(५दै)

442-MSS

1

॥श्रीगणेशायनमः॥येकसमैमनमिंत्र
मोहुईअज्ञादीनी पाहीतेमतिजुक्त॰
जोगलीलायहकीनी सिवसनका॰
दिकसारदानारदसेसगणेसदेहुबु
धिबरदेहुऊर अछरजुक्तविसेस इ
कदिननंदकुमारग्वालमिलिमतो
उपायोनंदगावतेंनिकसभेषबना॰

१ २ योतुमसबगायनपैरहो मैबरसानैं
जाऊ मैकबहूदेष्योनहीकैसोहैवह
गाव भूपवृषभानको १ अहकही
मोहतरूपजवैजोगीकोकीयोकान।
नमुद्रामेलतिलकजवष्याडोदीनो
जटामुकटमाथैकस्यो जहरामहोरा
ल्याय सिंगीसेलीपहरकैलीनी भ

स्मरमाइरूपधरकपटको २ ब्रह्मवकु 3
लकोपीनवेलमेषलावनाइं मगछाल
लालपटापरहंडमाललटकाई कंधा
झोरीफावरी श्रगनमुंद्रारोहाथ बन
बरसातेकूचलेजडजोगीजदुनाथ १
साथकूछांडिके ३ बरसानेकेवा
वागजायकेश्रलषेजगायो पसुपछी

6 हसेमुसकानी चितैमातकीओरकछु
३ कजियमैमुसकानी इततेहीकीरत
कहीलीनोकुंवरबुलायसषीसंगस
वहीचलीबागरूलुमीजायपजोगध्यां
नीजहां ८ आवतदेषीनारनिकट
तवपलकलगाई इकटकआसन
साधिकपटकीरटनाल्याई आइनि

हो कहुं आईहमपासहमजोगीजगसेन्यारे रहे सोहजैसदाउदासमित्रहमकोनरके १२ तवकीरतनकहीकहातेहोतुम आयेकहापिताकोनामकौनजननीकेजाये जोगत्तियोकहाकारनैकहातिहारोनाम इतनीअबसबहीकहोसाचवातबलजाउतिहारेरूपकी १३ आदिनाथहैना 7

५ ४ वगावघरहैहतनाही वनवरहैमफिरौजा
नकजननीजगमांहीजोगलियोयाकारनै
पहीहमारीरीतदिनच्यारकाविरमेजहा
जोदेषैप्रतिप्रीतजोगमतमैलिषी १५ क
हनलगीइकसषीकहोकहावानितिहारी
जोगलियेसुषकहाभूपतेंहोयभिषारी
तनमननमारैबनेफिरैकामकेसोहीदेषै

से जोगजंजालमै पोटी वाधकहा लेहसिलाकी ९
रासमै १५ कैयौंनिंदतहो जोग जोगपाहीतेहोई
तुमकहाजानौंवात नाथगतिहैअतिकौंगोई
जगतजीवमायावधेसवैजुफिरतहैषारजोगवि
नाजोहररूपमारै संसारजोगमायावली १६
हमहैप्रेमीलोगजोगपैचानतनांहीफलक्यौंआ
वैहाथनाथपपकरैपरछाई सीचीरससंजोग

10 तै प्रेमसुधाहै देई सामलसलौने अगमैं तैने बाध
६ लईस्वहहनेहकु घादिके १७ हमनाहिजानततने
हकहौकाहे स्रूकहियेजोगविनाभवरागजग
तजोहरजुरहहिये जोगीअपनेजोगवलपलमै
अलषलपायसहजसुषरंगसु १८ ब्रह्मानंद
अनंदप्रेमतैपरैनकोई जानतप्रेमीलोगजो
गतैअतिगतिहोती प्रेमभक्तिकरपायनाना

विधकेमोग विनाप्रेमफीकेलगैजपतपती
रथलोग जहालगहैजिते १९ जाग्नततहोंजो
गजगदिम्पादितेंजोचलिआयो अचुतजोत(
प्रकासपासतेअलषलषाये व्रछवेलिवनजा
लजोंसघनफूलफलयांन निर्गुनजोगसरू
पमैसगुनरूपदरसात पातफलफूलसे २०
निर्गुननिपटकठोरसुलभसर्गुनसुषराही ॥

12 जोगानंदउदासप्रेमतें आनंदनिवासी निर्गुन
७ मैनाहीकछुसगुनसैंसवहोयकहापोटवाधेको
ऊषाली कोठीधोईनाथहाथपरै २१ जोगवुरो
जोहोईकहासंकरक्यौंधारैजोगजतनतेरतनरू
पपरब्रह्मनिहारै मोहनहीकीधारमैभयोजा
तसंसार जोगकियेतेउतरै निर्गुननामआधा
रसारमतयहीनिर्गुनकोतुमकहोसुगुनबि

नकैसेपावै छायायकरै कहाअफलफलक 13
रतलआवै सगुनतौ नेरूपको सुगमप्रेमपथ
पाई आगरेहुअंवाअलषके अगमपंथमे
जाई नाथइनहातसु २३ निर्गुनहिंदतक
हासरगुनयाहीतेहोई विनाजोगवलकरै
पावैत्तहिकोई तनकप्रेमकृपाइकैचढी।
गर्वगजराज ऊपटजाहिकाहूहिनाविरम

८

परवाज आजहमकहतैहै २४ यहांनवि
कैहैजो गजायवेवोंवनमांहीनिर्गुनकोकोउर
पहागुनीजनगाहकनांही आगेवेचोअल
षकोनलोमिलैगोमोलजोआपवेचनचलै
लैहैहमतकतोलतिहारोरावरे २५ हमतो
अवअववकिजाइमोलहमहगोकोउहैहोर
ऐसोगाहककोंनजवरजोहमकोंलेही दे

हवराबरदेहकोंजोकोई नरदेइ जीयबराबर
जीयकोमनमारीमनकोंलेइ २६ इतनोहे।
तचलेइतुमेकहाकरहेकोई निजकरकारेको
न फिरैवनवनमेसोईजोगनीहैजगसोन्या
रीरहे धरैबधवरभेषभिछ्याकुघरघरफिरै
करैअसेषअसेष षरावीजगतमे २७
जोजनहमकूलेहलाजसोकाजनराषे पाव

१५ नकुसबकौरैलघुभाषै मरमनकाहूसौंकहै
९ रहैमौंनगहटेक कोटकुवधकीरेषपरसोर
सरमारैमेषमेषघरजोगको २८ हमैसोही
सेषटेककहीतुमतैबहुतेरीकोसुषपावैयहु
रिपायकंचनकीवेरीपारब्रह्मकेपारकौं त
जकरप्रेमपगार जोगजोजरीन्यावचटको
छूटैघसधार भारधरघातकौ २९ सुनतस

षीनकी बात नाथ मन मैं मुसकाने अंतर हित को 15
नेम प्रेम या के मन जाने रव हीं वहीं अबोली रा
धिका जानि मात को साथ आपिन हीं मै हसि
रह्यो हेरि हेरि हरहाथ साय लषी लाजन को २
३० इतने हीं इक सषी सेन राधिका सिषा
ई हरि कर तिन तें जांई दूर मोग वन आई
हाथ जोर कर आ हेसकर निकट नाथ के आइ

१० 16 अलषपुरसकोंपाइकरबैठीअलषजगायजा
पडिपगनाथकै ३१ कहोनाथकहांरहोकहा
तेतुमचलआये तुमसेजोगीजीतकितेहमगे
लगहायेयहाहाईमोनाथकीब्रजचौरासीमां
हिजेजोगीआयेयहाकानपस्करघरजाई
कहाभूलेफिरो ३२ जेजोगीहमतांहिअवहे
अवधूतअपारो सप्तदीपनवषंडअटल

17

है राजहमारो याब्रजमंडलमैकहा जालिम
जोगीऔरहमकवहूहेर्थ्यानहीरहेकौनसैठौर
नाथवहतिकपटी ३३ अहोहमारोनाथफिर
रैउर अंतर वोर वनमै वसैमठीमनमोहकरै
आसनतननतनमैवनितइत नेनैनमैवसैतु
मसहरसननांहि प्रेमजनजोगगनजहारा।
मरहतमनमांहि नांहिमुमसों गिनैं ३४

१४ तुजोगनकहोरहैववववाकेकितवोले पीक
२२ हु मोरे माग कहामूल्लिसीडोहै अवअटकी
अव धूत सोंकूतपरीनहिहोइवाहिवाहितो
सीजनी कितेकगयेषरषोइ जोगकाष्या
लहै ३४ ततकनेषधरनाष्यनिपटहीकेयों
गरवाये तुमसेजोगी कितेकपकरहमबाव
निवाये आब्रजमेजोगनिघनीरूपमोहिनी

नारिजीतलैहिंगीजोगकौं मुद्रारेहउतारआप 19

हीहूरकै ३६ जगमैजोगनिजितीहोंसबमंत्रम

हनकै सिंगीनादबजाइहरैंछिनमैमनतिन

के जबरजोगमायाजबरजोगमायाबलराष्यो

सवैभुलाइत्तामैतूकितनी कैरेरहैविश्वभ

रमाईभरमभूलिफिरै ३७ अहोनाथतुमक

हाजोगमायाबलकूनिजकर हैघरआगिव

10 स्तुवद्रुत्तेरीमूल्ते सिंहवैरकरस्यारकेवाध्येपकि।
१२ रैहृथयार हमत्तेफलपाइ्होवातनकोहारहारर
होम्मापही ३८ जोगीकोघरद्दूरजोगकोजुगता
नपाई चित्तकीचटकनगईनईजोगनवतआ
ई त्लाजनमारतमेषकु भसमम्वघंवरधारवा।
हकैरमत्तसाधसौं मोरैगोफटकारभसमकैजा
यगी ३९ कित्तडुरपावैमोहीत्तोहिमेजानि

गईहू सबजानतहूजुगतनाथकीनाइनई 21
हैं अवहीउठआकिहूकपटीभेषवनाइ भस्म
करौगेकौंनकौंझूठीभस्मलगायभरोसेकौंन
कै ४० जोतूजोगनहोइजोगकीजुगतवता
ऊ सहजसचिदानंदनिरंजनअलषलषा
ऊंबादविबादकैयौंकरैधरैभेषपाषंडतोदिव
ताऊहोइजोजोगतिजोगअषंडसुनौंरीजोगक

25 माइ उलटीरसनारसचाषे बित्तनचलेतनना

२४ हि लेराषैजोगजमाइ सदानंदआनंदमैब्रह्मा

नंद्दसमायजापजोगीजहा ४५ तुमजुकहोय

हजोगरोगहैहसरेभावै चात्रगररटनाघटै

विनाधनजलकेप्यायेपटहरसनपरश्रम

कितेजपतपजोगवैराग इनतैहोतनहाथ

हरविनअंतरअनुराग रंगीलेमित्रजो ४६

नाथकोघरवडो ५० यहसुनिसावलनाथ
तनकतवराषउठाई प्रेममंत्रकरजंत्रकुवरको
कीठलगाई सातबातहैहाथकौंतनकपीठठ
कार झलषझलषकरउचरेतबदीनेपल
कउघारकुवरचषजानकी ५१ तुरतभई
चितलेतहेतमाताउरलाई तवकीरतकर
जोरनाथकीकरतवबवझाई मगनभईसबस

२६ 25 हचरीअंतरहितपहचानि कहनलगीतबना
षसोहमैपरैअबजानि जोगपुरेसही ५२ क
हतकुमरकीमाततातनतुमेपूरेजोगी देषकुमर
कोहाथकहोसंजोगवियोगी करसगाइनेर
केकुवरकानकूजानइने उनेरसरहैगोकही
रेषपहचानसुलछनहाथके ५३ यहसुनिसा
वलनाथतवदेषनलागेबोलेवचनबनाय

कपटऊलस्वारथलागे डूवैऊनैरसतोरहै करैस 27
तद्दिनसेव सषिनसहितसंकेतमे फलफूजे।
देवफूलफलपत्रसों ५४ सबदेवनकोदेवने
वृकोऊनहिजानै जायसघनयेकांतध्यांवधर
पूजाठांनै भेदनकाहूसोंकहै रहैमैनमनगो
इ यामतहीसोंपूजाकरैसफुलकामनाहोइ
गुपतगतमंत्रकी ५५ जंत्रमंत्रमलमिषुनज

28 पतपसु रष्ठजा यकाकीसिघह्रोइ नेंगदेषत्तही
१२ दूजा यहग्मतिसुगमउपायहै होयनहीचित्त
नेंगनित्तवननेहसदेहवसरहै येकरसभंग
पियारेमित्रसौं ५६ जवजोगीकरकरजततनषा
लऊोरीतेंलीनी निषैटग्मनौठीजानिजरीचूही
इकहीनीगलराषैजोयाद्दिकुकंचनमाहिम
दाइ भूतप्रेतवेतालनैरनजरलगेनफित्ता

ह्रिजरीकेजोरसौं ५७ दैकीरतकरकह्यौफुरो। 29
यह्वचनहमारो करैअलषआनंदनगर।
धनधामतिह्वारो तवकीरतकरजोरकैकर
नलगीमनहार भोजनपूजालीजिये जोइछा
ऊरधारकहोसोकीजिये ५८ हमनहिपूजा
लैहिकैरकहूभाजननोहि कंदमूलफल।
षाइफिरैबनविकटनमांही संगनकाहू।

१८ ३० केकरै सहानंदमनमांहि नाहिकछु कल्पना
६० जबजोगी करजुगतजोगमायाफैलाई
लगीनगरमैंआश्राशिबरातीऊरतीयनैदि
षाइ गरबगरजरनैलषतवापाइमैपाइ इ
तनेहीमैसांमरोमिल्योसषियनमैजाइजोगी
कूडारकै ६१ नगरनिकटतवगई कहूंज
हांआगनपांतो मायारूपीआश्रजोगब

तजाकीजानी उलटचलीतबबागकों तहांन 31
तबअबधूत जोगीहेसोरमिगये आसनरही
विभूति भरमकीबासना ६२ बेअपनेघरग
येउलटअपनेघरआई बहुरंगीगोपालष्याल
वजबालषिलाई बरसानेनंदगावके निकट
सघनसंकेतपीतमप्यारीहेतकोनिपटनिमा
नौंषतकामतरुकेलिको ६४ निपटरूपक

१९ ३७ रक्तितेकनोतिवंद्वनेषबनाये गोपीगोपगुपा
लनकोंनित्तष्यालषिलाये रूपसिरोमनराधि
कारसिकसिरोमनस्याम बसतउदैउरमैस
दाकरसंकेतसुधामस्यामस्यामास्ही ६४ श्री
योगलीलासंपूर्णम ॥ श्रीगणेशायनमः

